The House reassembled after lunch at thirty-two minutes past two of the clock. **The Vice-Chairman (Shri B. Satyanarayan Reddy)** in the Chair.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (PUNJAB) 1988-89

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EXPENDITURE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B. K. GADHVI): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants for Expenditure of the Government of Punjab for the year 1988-89 (November-December, 1988).

SPECIAL MENTIONS

"Yaj" Disease Affecting Tribals of Bastar District of Madhya Pradesh

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश) : महोदय बस्तर जिला न केवल मध्य प्रदेश का बल्कि पूरे भारतवर्ष का सबसे पिछड़ा हुआ जिला है । यहां अधिकांश आदिवासी ही निवास करते हैं । मैं आज इस सदन के माध्यम से इस जिले के आदिवासियों के स्वास्थ्य के संबंध में जो एक विशेष समस्या खड़ी हो गई है उस ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । वैसे ही बस्तर जिले के आदिवासियों की गरीबी और मुफलिसी किसी से छिपी हुई नहीं है और उनको जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं वे भी प्राथमिक स्तर की भी बिल्कुल नहीं हैं । अभी हाल ही में एक सनसनीखेज तथ्य सामने आया है कि बस्तर जिले में "याज" नामक एक रोग, जिसके बारे में ऐसा कहा जाता है कि अब विश्व में अफ्रीका को छोड़कर कहीं नहीं है, वह रोग बस्तर जिले के आदिवासियों में बहुत जोरों से फैल रहा है । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो अपनी रिपोर्ट में यह कहा था कि वर्ष 50 के पहले ही पूरे विश्व से अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका को छोड़कर अन्य भागों से यह रोग समाप्त हो गया है । किन्तु अभी यहां के कुछ नये और युवा चिकित्सकों ने यह तथ्य उजागर किया कि "याज" नामक रोग से बस्तर के आदिवासी ग्रसित हैं । यह रोग बड़ा ही वीभत्स होता है, डरावना होता है और मैंने स्वत: जाकर पिछले दिनों बस्तर में "याज" से ग्रसित कुछ रोगियों को देखा । जैसे कुष्ठ रोगी होते हैं उससे भी खराब हालत "याज" नामक रोग से ग्रसित रोगियों की होती है । दुख इस बात का है कि पहले तो केन्द्र शासन और पूरा चिकित्सा विभाग यही कहता रहा है कि यह तथ्य बिल्कुल गलत है कि "याज" नामक रोग फिर से भारतवर्ष में में आ गया है और बस्तर के आदिवासी इससे ग्रसित हैं, पर जब वहां के कुछ-चिकित्सकों ने, वहां के एक युवा सहायक चिकित्सक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जब इस रिपोर्ट को बार बार शासन को भेजा तो अब कम से कम इस बात को स्वीकार किया जाने लगा है कि "याज" नामक रोग बस्तर के आदिवासियों में फैल रहा हैं । तो मैं आज सदन के माध्यम से इस ओर केन्द्र शासन के स्वास्थ्य मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा और यह कहना चाहूंगा कि यह एक बड़ी गम्भीर परिस्थिति हैं । केन्द्र सरकार को एक विशेष दल गठित करके अध्ययन के लिए बस्तर जिले में भेजना चाहिए । क्योंकि यह एक ऐसा रोग है, जिसके बारे में स्थानीय डाक्टरों को कोई जानकारी नहीं है, कोई अनुभव नहीं है, जिसका कोई निदान नहीं है और यह एक ऐसा रोग है, जिससे ग्रसित हो जाने के बाद आदिवासी की हालत ऐसी हो जाती है कि उसका अंग भंग हो जाता है, अंग गलने लगते हैं, शरीर मुड़ जाता है और ऐसी अपार तकलीफ उसको होती है, जिसका निराकरण किया जाना स्थानीय डाक्टरों, स्थानीय चिकित्सकों और स्थानीय दवाई के माध्यम से सम्भव नहीं है ।

मेरा अनुरोध है कि इसकी ओर गम्भीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए, तत्काल कोई विशेष दल गठित किया जाना चाहिए, तत्काल उसका अध्ययन किया जाना चाहिए और जो कुछ साहित्य, जो कुछ दवाईयां और अनुभव इस विषय में उपलब्ध है, उसका उपयोग करके इस रोग का निदान किया जाना चाहिए । धन्यवाद ।